



JALAUN POLICE

दिनांक – 01.10.2026

जालौन पुलिस और बैंक अधिकारियों ने बैंकिंग सिक्योरिटी को मज़बूत करने और फाइनेंशियल फ्रॉड से निपटने के लिए हाई-लेवल कोऑर्डिनेशन मीटिंग बुलाई

डिस्ट्रिक्ट पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन और अलग-अलग पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के अधिकारियों के बीच एक हाई-लेवल कोऑर्डिनेशन मीटिंग आज Reserve Police Line सभागार में हुई। इसमें सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का रिव्यू किया गया, साइबर फ्रॉड पर रोक लगाने के सुझावों पर चर्चा की गई और लॉ एनफोर्समेंट और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के बीच बिना रुकावट सहयोग स्थापित किया गया।

मीटिंग की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक जालौन ने की, साथ ही अपर पुलिस अधीक्षक जालौन, सीनियर बैंक एजीक्यूटिव, ब्रांच मैनेजर और लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (LDM) भी मौजूद थे।

मुख्य प्रस्ताव और फोकस एरिया

साइबर फ्रॉड पर तेज़ी से जवाब: मीटिंग में बैंक फ्रॉड मॉनिटरिंग यूनिट और साइबर क्राइम सेल के बीच एक स्टैंडर्ड, रियल-टाइम कम्युनिकेशन चैनल बनाया गया। बैंकों ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (1930) के तहत ज्यादा से ज्यादा फंड रिकवरी के लिए संदिग्ध अकाउंट (म्यूल अकाउंट) को तेज़ी से फ्रीज़ करने और फ्रॉड अलर्ट मिलने पर तुरंत ट्रांज़ैक्शन ट्रेल्स शेयर करने पर सहमति जताई।

सभी एंट्री/एग्जिट पॉइंट, काउंटर और ATM बूथ को कवर करने वाले नाइट-विज़न कैपेबिलिटी वाले, हाई-रिज़ॉल्यूशन CCTV कैमरे काम करने लायक, पक्का करना, जिनका कम से कम 30-दिन का रिकॉर्डिंग बैकअप हो।

ऑपरेशनल बर्गलर अलार्म, सीधे सबसे पास के पुलिस कंट्रोल रूम से जुड़े पैनिक बटन और फायर सेफ्टी सिस्टम लगाना।

कैश लॉजिस्टिक्स और ट्रांज़िट सेफ्टी: कैश रिप्लेनिशमेंट एजेंसियों (CRA) और कैश वैन से जुड़े प्रोटोकॉल का रिव्यू किया गया। गाइडलाइंस में SOPs का सख्ती से पालन करने की ज़रूरत है, जिसमें रूट रैंडमाइज़ेशन, हथियारबंद एस्कॉर्ट्स, GPS ट्रैकिंग, और सिर्फ़ तय दिन के समय कैश ट्रांज़िट शामिल है।

रूटीन जॉइंट ऑडिट: स्टेशन हाउस ऑफिसर्स (SHOs) और बैंक ब्रांच मैनेजर ऑपरेशनल कमियों को रोकने के लिए सिक्योरिटी गार्ड्स और अलार्म सिस्टम पर मंथली वेरिफिकेशन चेक करेंगे।